



प्रीलिमिंस फैक्ट्स: 15 मई, 2019

- मशिन आर्टेमिसि
- [LSA में अटलांटिक को पार करने वाली पहली महिला](#)
- [मारयाना गरत](#)

मशिन आर्टेमिसि

नासा चंद्रमा हेतु एक नए मानवयुक्त मशिन की योजना बना रहा है जिसका नाम आर्टेमिसि होगा।

- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार, चंद्रमा की देवी, आर्टेमिसि, अपोलो की जुड़वाँ बहन थी।
- वर्ष 2017 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अंतरिक्ष नीति निर्देश (Space Policy Directive) पर हस्ताक्षर किये थे जिसके पश्चात् मशिन आर्टेमिसि की शुरुआत हुई थी। इस मशिन के तहत अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर भेजा जाना है।
- यह 2024 में चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर उतरेगा और इसमें महिलाओं को भी शामिल किया जाएगा।

LSA में अटलांटिक को पार करने वाली पहली महिला

कैप्टन आरोही पंडित, मुंबई की एक 23 वर्षीय पायलट लाइट स्पोर्ट्स एयरक्राफ्ट (Light Sports Aircraft- LSA) में अटलांटिक महासागर को पार करने वाली दुनिया की पहली महिला बन गई हैं।

- यह कैप्टन आरोही की ग्लोबल सर्कमनेविगेशन फ्लाइट (Global Circumnavigation Flight) योजना का हिस्सा है, जिसे उन्होंने अपनी दोस्त कैथर मसिकवेटा के साथ एक साल पहले, 30 जुलाई, 2018 को लॉन्च किया था।

- वह 1947 के बाद पड़ोसी मुल्क पाकस्तान में लाइट स्पोर्ट्स एयरक्राफ्ट जहाज़ लैंड कराने वाली पहली नागरिकि बनीं ।

मारयाना गर्त

हाल ही में अमेरिका के एक अंडर-सी एक्सप्लोरर (Under-sea Explorer), वकिटर वेस्कोवो ने प्रशांत महासागर के मारयाना गर्त (Mariana Trench) में लगभग 6.8 मील तक गोता लगाया । गौरतलब है कयिह पृथ्वी पर सबसे गहरी जगह है ।

- वकिटर वेस्कोवो (Victor Vescovo) ने 1960 का रकिॉर्ड तोड़ते हुए उससे 52 फीट (16 मीटर) नीचे तक गोता लगाया ।
- यह तीसरी बार है जब इंसान ने समुद्र में सबसे अधिक गहराई तक गोता लगाया है, ध्यातव्य है कइस गहराई को चैलेंजर डीप (Challenger Deep) के नाम से जाना जाता है ।

डीएसवी लमिटिंगि फैक्टर

- डीएसवी लमिटिंगि फैक्टर (DSV limiting Factor) दो लोगों हेतु 'डीप सी व्हीकल' (Deep Sea Vehicle-DSV) पोत है, जो महासागर में पूरी गहराई तक गोता लगाने में सक्षम है ।

नषिकर्ष

- वकिटर वेस्कोवो ने समुद्री जीवन की अनदेखी प्रजातियों की खोज की, जसिमें झींगे जैसे लंबे पैर और एंटीना वाले आर्थोपोडा से लेकर समुद्री सूअर जैसे जीव शामिल हैं । उन्होंने धातु या प्लास्टिकि की मुद्रति वस्तुएँ भी देखी ।
- संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, दुनिया के महासागरों में लगभग 100 मलियन टन प्लास्टिकि कचरा पहुँच गया है ।
- वैज्ञानिकों ने व्हेल जैसे गहरे आवास वाले समुद्री स्तनधारियों की आंतों में बड़ी मात्रा में माइक्रोप्लास्टिकि पाया है ।